



CLASS: II
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: पाठ- 13
TOPIC : सूरज
SUB TOPIC: लिखित प्रश्न उत्तर

CHANGING YOUR TOMORROW



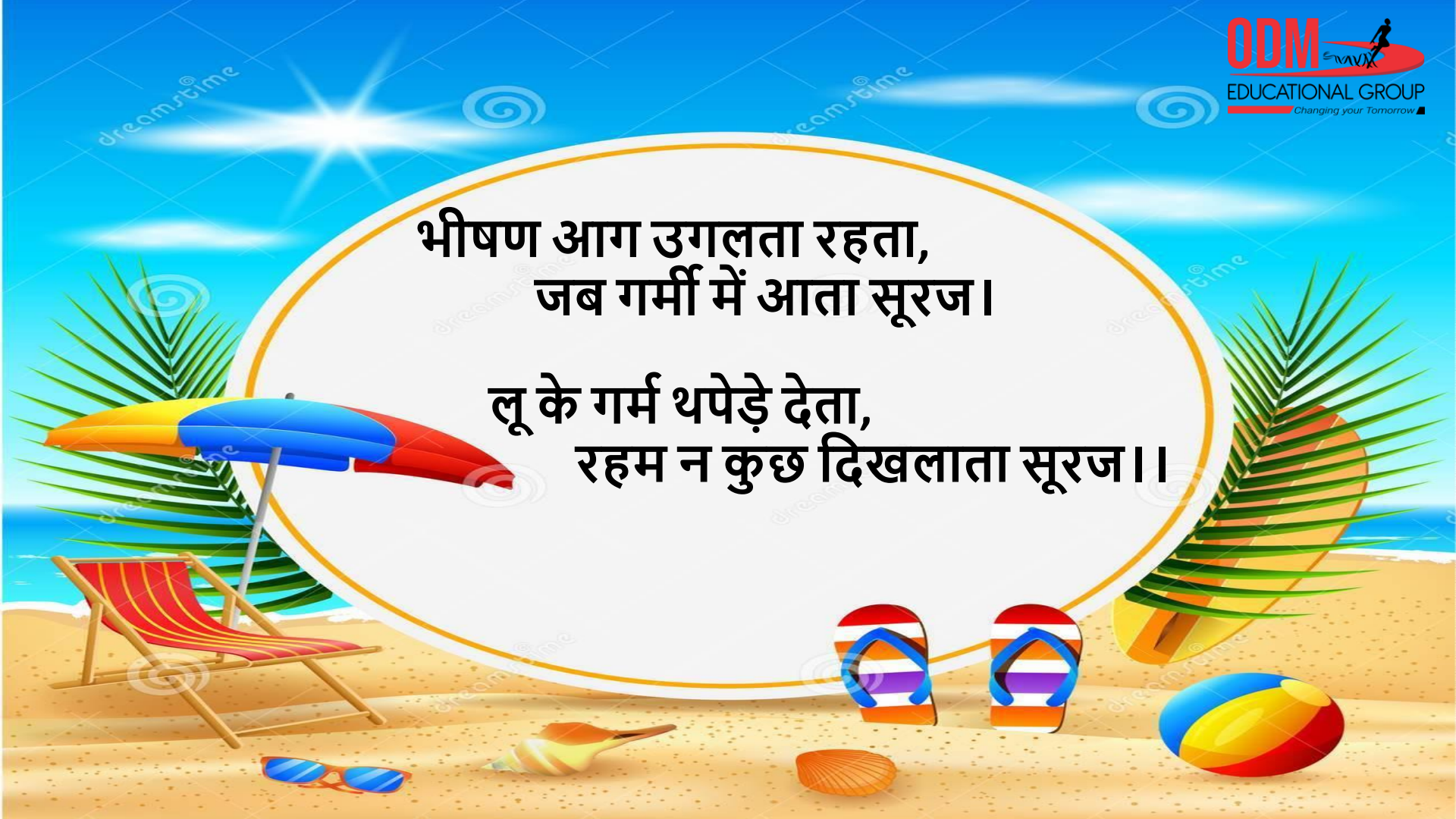
पाठ- 13 सूरज

आसमान से प्रातः आकार ,
हमको नित्य जगाता सूरज।

कभी न यह पथ पर है रुकता,
आगे बढ़ता जाता सूरज।।

भीषण आग उगलता रहता,
जब गर्मी में आता सूरज।

लू के गर्म थपेड़े देता,
रहम न कुछ दिखलाता सूरज।।



वर्षा में चुपके से आकर
इंद्रधनुष लाता सूरज।
लुका छिपी बादल से करता,
रूप अनेक दिखाता सूरज।।

लेकिन जब सरदी में आता
सब को खुश कर जाता सूरज ।।

पर होता दुख मन में भारी,
जब जल्दी छिप जाता सूरज ।।



बारी बारी से छः ऋतुएँ
इस धरती पर लाता सूरज।

सुख-दुख रहते साथ बराबर
हरदम यही बताता सूरज।।



कठिन शब्द तथा उनके अर्थ

प्रातः	→	भोर
नित्य	→	सदा
पथ	→	राह मार्ग
भीषण	→	भयंकर
थपेड़े	→	आघात
वर्षा	→	बारिश
खुश	→	प्रसन्न
जल्दी	→	तेज़ी से या शीघ्र
ऋतुएँ	→	प्राकृतिक अवस्था के अनुसार वातावरण में होने वाला परिवर्तन।





लिखित



निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पूरा कीजिए

क. आसमान से प्रातः आकार ,
हमको नित्य जगाता सूरज।

ख. भीषण आग उगलता रहता,
जब गर्मी में आता सूरज।





ग. वर्षा में चुपके से आकर

इंद्रधनुष है लाता सूरज।

घ. सुख-दुख रहते साथ बराबर
हरदम यही बताता सूरज।।





निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क. कौन हमें रोज़ जगाता है?

उ: सूरज हमें रोज़ जगाता है।

ख. सूरज भीषण आग कब उगलता है?

उ: गर्मी की ऋतु में सूरज भीषण आग उगलता है।





ग. वर्षा में सूरज क्या लेकर आता है?

उ: वर्षा में सूरज इंद्रधनुष लेकर आता है।

घ. इस धरती पर बारी-बारी से कितनी ऋतुएँ आती हैं?

उ: इस धरती पर बारी - बारी से छः ऋतुएँ आती हैं।



सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी पाठ संबंधित ज्ञान प्राप्त किए।
इससे उनकी भाषाई क्षमता विकसित
हुई और सूरज से संबंधित ज्ञान अर्जन
किए।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP